अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल

तेरापंथ दर्शन (वर्ष : 2019) **दिनांक : 17-12-2019**

समय : 3 घंटा **चतुर्थ वर्ष : प्रथम प्रश्न पत्र** **पूर्णांक : 100**

आचार्य श्री कालूगणी–35

प्र. 1 किन्हीं पांच प्रश्नों का उत्तर एक वाक्य में दीजिए– 5

(क) विशालकीर्ति द्वारा विरचित विशाल शब्दानुशान अष्टाध्यायी किसे व कहाँ मिली?

(ख) कालूगणी लोगों को अपनी बात समझाने के लिए किन चित्रों का उपयोग करते थे? और उनमें प्रभावशाली चित्र कौन से थे?

(ग) 'कालूगणी ने तो मुझे समझाया था कि तूं धर्म के विपरीत होकर बरबाद क्यों होता है?' पर मैंने उनके वचन पर ध्यान नहीं दिया। यह कथन किसने किससे कहे?

(घ) जयाचार्य द्वारा रचित प्रश्नोत्तर तत्वबोध का संपादन व प्रकाशन किस-किसने किया?

(ङ) कालूगणी के बडनगर मर्यादा-महोत्सव में कितने साधु-साध्वियां संभागी बने?

(च) कालूगणी किस आधार पर जान लेते थे कि कौन सा व्यक्ति कैसा अध्ययन कर सकता है और उन्होंने गम्भीर अध्ययन के लिए किसे योग्य माना?

(छ) सामाजिक झगड़े का नाम क्या था? इसका पुर्नजागरण कब व कहाँ हुआ?

प्र. 2 किन्हीं चार प्रश्नों का उत्तर दो या तीन वाक्य में दीजिए– 10

(क) धार्मिक प्रचार-प्रसार की दृष्टि से कालूगणी ने किन-किन सन्तों को कौन-कौन से नवीन क्षेत्रों में भेजा?

(ख) मुनि मिलापचन्द जी के फोड़ों की पीड़ा शान्त कैसे हुई?

(ग) अजीमगढ़ निवासी मानसिंह जी श्रीमाल ने कालूगणी से गुरु-धारणा कैसे व किसके साथ स्वीकार की?

(घ) साध्वियों द्वारा केशरचन्द जी कोठारी को रूग्णावस्था में दर्शन नहीं देने पर कालूगणी ने उपालंभ के साथ साध्वियों का मार्गदर्शन कैसे किया?

(ङ) युवाचार्य नियुक्ति के अवसर पर शासन भक्त श्रावक गणेशदास जी ने अपनी प्रसन्नता को कैसे व्यक्त किया?

(च) किसी ने कहा–'महाराज! आपको शास्त्रजी की आशातना लग रही है।' तब कालूगणी ने इसका निराकरण कैसे किया?

प्र. 3 कोई एक प्रश्न का उत्तर 100 से 150 शब्दों में दीजिए– 6

(क) आण और आग्रह घटना प्रसंग।

(ख) सिद्ध करें कि कालूगणी प्राचीन परम्पराओं को अत्यन्त महत्व देते थे, परन्तु नवीनता से भी उन्हें कोई परहेज नहीं था।

(ग) कालूगणी की मेवाड़ यात्रा का वर्णन करें।

प्र. 4 विभिन्न घटना प्रसंगों से सिद्ध करें कि कालूगणी ने संस्कृत विद्या के लिए जो परिश्रम किया वह उनकी व्यक्तिगत सफलता के लिए तो महत्वपूर्ण था ही, समस्त संघ के लिए भी उतना ही महत्वपूर्ण सिद्ध हुआ। 14

अथवा

कालूगणी के युग में आन्तरिक व बाह्य विरोधों पर प्रकाश डालें।

युगप्रधान आचार्य तुलसी–35

प्र. 5 किन्हीं नौ प्रश्नों का उत्तर एक वाक्य में दीजिए– 9

(क) तमिलनाडू में आचार्य तुलसी ने किस विरोध को शान्त करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई?

(ख) आचार्य तुलसी के गीतों में किन-किन तथ्यों का समावेश था?

(ग) उपासक शिविर सर्वप्रथम कब व कहाँ हुआ?

(घ) यू.जी.सी. के अध्यक्ष श्री सच्चिदानन्द मूर्ति के अनुसार जैन विश्व भारती को युनिवर्सिटी का दर्जा किस आधार पर मिलना चाहिए था?

(ङ) क्रिश्चिनिटी इतिहास के अनुसार 1415 में अपने पद का विसर्जन किसने किया?

(च) अणुव्रत आन्दोलन के प्रवर्तक से आचार्य तुलसी का कौन सा स्वप्न फलित हुआ?

(छ) 'संयमः खलु जीवनम्' घोष कब व किस अवसर पर दिया गया?

(ज) संघ की युवा पीढ़ी निष्णात बने और उसमें समाज की युवा पीढ़ी को प्रबोध देने की क्षमता का विकास हो। इस उद्देश्य आचार्य तुलसी ने कौन सा उपक्रम किया?

(झ) भारत में सामाजिक परिवर्तन की नींव किस-किसको माना गया है?

(ञ) आचार्य तुलसी द्वारा रचित योग-विद्या का महत्वपूर्ण ग्रन्थ कौन सा है?

प्र. 6 किन्हीं दो प्रश्नों का दो या तीन वाक्यों में उत्तर दीजिए– 5

(क) 'मैं मानवीय एकता में विश्वास करूंगा' अणुव्रत की इस धारा की उपधाराएं कितनी व कौन-कौन सी है?

(ख) आचार्य तुलसी ने कहा–'असली आजादी अपनाओ' इसका तात्पर्य क्या है?

(ग) आचार्य तुलसी के उपदेश से बरडासर के लोगों ने कौन-कौन से त्याग किए और उससे कौन सी उपलब्धि हुई।

प्र. 7 किसी एक प्रश्न का उत्तर 100 से 150 शब्दों में दीजिए– 6

(क) सम्मान, पुरस्कार और अलंकरण।

(ख) जैन विश्व भारती की बहुआयामी गतिविधियों का उल्लेख।

(ग) धर्मक्रान्ति के पांच सूत्रों का विवेचन करें।

प्र. 8 स्पष्ट करें कि आचार्य तुलसी का हर बोल अनमोल है, उन्होंने जो घोष दिए उन सबके पीछे एक विशेष उद्देश्य है, दर्शन है और विशेष प्रेरणा है। 15

अथवा

विभिन्न प्रसंगों द्वारा सिद्ध करें कि आचार्य तुलसी वैयक्तिक और सामाजिक चरित्र के प्रति जितने जागरूक थे, राष्ट्रीय चरित्र के प्रति भी उतने ही जागरूक थे।

तुलसी-प्रबोध–21

प्र. 9 किन्हीं दो पद्यों को भावार्थ सहित लिखें– 12

(क) कम्यूटर.....जोड़ीदार हो।।

(ख) श्रुत आराधन.....हुंशियार हो।।

(ग) आगम.....आधार हो।।

(घ) मेदपाट.....साभार हो।।

प्र. 10 किन्हीं तीन पद्यों की पूर्ति करें– 9

(क) इक्यासिय.....गणधार हो।।

(ख) समय आखरी.....सुकुमार हो।।

(ग) ले चार्टर.....चलार हो।।

(घ) जोश संघ.....सरकार हो।।

(ङ) आध्यात्मिक.....क्रमवार हो।।

तेरापंथ प्रबोध–9

प्र. 11 कोई तीन पद्य लिखें–

(क) 'अणुव्रत-आचार-संहिता' वाला पद्य।

(ख) 'जय हो कल्लू-सुत जग में विश्रुत' गीत वाला पद्य।

(ग) 'जाग्रत धर्म हमारा, जीवित धर्म हमारा' गीत वाला पद्य।

(घ) 'स्वामीजी! थांरी साधना री मेरू सी ऊंचाई' गीत वाला पद्य।

(ङ) 'निहारा तुमको कितनी बार' गीत वाला पद्य।